वर्ष :: 33 अंक : 48
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 27 अगस्त, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

झारखंड में शह-मात का खेल

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने

विजय कुमार झा

रांची/बोकारो : झारखंड में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शह और मात का खेल जारी है। केन्द्र की भाजपा सरकार जहां झारखंड की हेमंत सरकार को जमीन घोटाला सहित भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में लगातार घेरे में ले रही है, तो वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से भाजपा के शासनकाल में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार में मंत्री रहे पांच लोगों के खिलाफ राज्य की एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी जांच तेज कर दी है। उल्लेखनीय है कि झारखंड में केन्द्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापामारी पूरे देश में सुर्खियां बटोर रही हैं। मनरेगा से शुरू हुई ईडी की जांच अवैध खनन के रास्ते पहले जमीन घोटाले तक पहुंची, जबकि अब इसकी जद में शराब घोटाला भी है। इन सारे मामलों में ज्यादातर सत्ता पक्ष के लोग शामिल हैं। यहां तक कि मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा तक जेल की सलाखों के पीछे कैद हैं। ईडी इसी महीने दो बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन भेज चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री दोनों बार ईडी के सामने हाजिर होने से परहेज कर चुके हैं। उन्होंने इस बीच सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। सत्ता पक्ष की ओर से ईडी की सारी कार्रवाई को केन्द्र की साजिश करार दिया जा रहा है।

एसीबी को बनाया हथियार

इधर, अब सत्ता पक्ष भी अपने बचाव में लग गया है। उसने एसीबी को बड़ा हथियार बनाया है। हेमंत सरकार ने भाजपा सरकार के पूर्व मंत्रियों पर आय से अधिक संपत्ति मामले में एसीबी में पीई दर्ज करने का आदेश दे दिया है। इन पांच पूर्व मंत्रियों में नीलकंठ सिंह मुंडा, नीरा यादव, लुईस मरांडी, रणधीर सिंह और अमर कुमार बाउरी शामिल हैं। इन पर आरोप है कि इनकी संपत्ति में 2014 से 2019 तक 200 से लेकर 1100 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। पिछले महीने 26 जुलाई को हुई कैबिनेट की बैठक में इन पांचों पूर्व मंत्रियों पर आय से अधिक संपत्ति

(शेष पेज- 7 पर)

हजारों करोड़ के घोटालों का जवाब दे मोदी सरकार : अनूप

बोकारो : कांग्रेस ने महालेखाकार (सीएजी) की रिपोर्ट को आधार मानते हुए केन्द्र की मोदी सरकार को घेरने का प्रयास तेज कर दिया है। बेरमो के कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह ने कहा है कि जिस सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर केन्द्र की पिछली सरकार धराशायी हुई थी, आज उसी सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं में हजारों करोड़ रुपए के सात बड़े घोटालों का पर्दाफाश किया है। भ्रष्टाचार के मामले में खुद को बेदाग कहने वाली मोदी सरकार सीएजी की रिपोर्ट में हुए खुलासे के बाद खुद सवालों के घेरे में आ गई है, इसलिए उसे इन सवालों का जवाब देना होगा। श्री सिंह बोकारो में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन सवालों का जवाब चाहती है, क्योंकि प्रधानमंत्री खुद को स्वच्छ और ईमानदार बताकर देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। जबकि उनकी सच्चाई कैग की रिपोर्ट में सामने आ चुकी है। उन्होंने कहा कि क्या जिस तरह से सरकार के खिलाफ सवाल पूछने वाले लोगों पर ईडी और सीबीआई से दमन करवाया जाता है, कैग के खिलाफ भी ऐसा ही होगा? इस सवाल का जवाब भी देश जानना चाहता है। विधायक जयमंगल ने कहा कि सीएजी, जो सरकार के सारे खर्चे का ऑडिट करती है, उसकी रिपोर्ट ने गला फाड़-फाड़कर ईमानदार छवि का झूठा दंभ भरने वाले प्रधानमंत्री के दावों को ध्वस्त कर दिया है और यह घोटाला अब पूरे देश के सामने आ रहा है। विधायक श्री सिंह ने कहा कि सीएजी ने भारतमाला प्रोजेक्ट में फजीवाड़े के साथ ही द्वारका एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(शेष पेज- 7 पर)

इधर, बोले सालखन- हेमंत अब छोड़ दें गद्दी

आदिवासी सेंगेल अभियान के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सालखन मुर्मू भी लगातार हेमंत सोरेन को आरोपों में घेर रहे हैं। बोकारो में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि लूट, झूठ, भ्रष्टाचार और विज्ञापन पर सवार हेमंत सरकार को अब गद्दी छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोरेन परिवार के खिलाफ जो जमीन खरीद-बिक्री के डीड के मामले को मीडिया के समक्ष सार्वजनिक किया है, वह बिल्कुल एक आपराधिक मामले की पुष्टि करता है। गंभीर फ्रॉड का मामला बनता है, जिसमें सोरेन परिवार ने अपना नाम, पिता का नाम और स्थान आदि का नाम बदलकर करीब 100 डीड बनाए हैं। एक भ्रष्ट और फ्रॉड करने वाले परिवार द्वारा संचालित सरकार यदि जनता और जनतंत्र पर जबरन काबिज रहती है तो यह बिल्कुल दुर्भाग्यपूर्ण और राष्ट्रहित के खिलाफ होगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन गद्दी छोड़ें। पहले इस मामले पर जांच हो, अविलंब कार्रवाई हो अन्यथा आदिवासी सेंगेल अभियान जनहित में एक जनहित याचिका दायर करने के लिए बाध्य हो सकती है। सालखन ने कहा कि जेएमएम घूस कांड की तरह यह मामला संविधान, कानून और जनतंत्र की मर्यादाओं का हनन करता है। जनता का विश्वास चुनी हुई सरकारों पर खत्म करता है। कार्यपालिका को निष्पक्ष और निडर होकर काम करने के रास्ते को हतोत्साहित करता है। किसी भी व्यक्ति पर प्रथम दृष्टया कोई गंभीर आपराधिक मामला उस व्यक्ति को शीर्ष पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं दे सकता है। यह झारखंड के आदिवासियों का दुर्भाग्य है कि सोरेन परिवार ने पहले झारखंड को कांग्रेस के हाथों 3.50 करोड़ रुपए में बेचा। अब 5 जनवरी 2023 को पारसनाथ पहाड़ को जैनों के हाथों बेचा। राष्ट्रीय मान्यताप्राप्त संताली भाषा को अपमानित करता है। वायदों के साथ वादाखिलाफी करता है। मौके पर सुमित्रा मुर्मू, सुगदा किस्कू, जयराम सोरेन, सुखदेव मुर्मू, भीम मुर्मू आदि मौजूद रहे।

सख्ती

बोकारो के चंदनकियारी में बिना अप्रोच रोड के ही जगह-जगह बना दिए पुल, जांच आयोग ने सौंपी अपनी रिपोर्ट

भ्रष्टाचार के सेतुओं पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से जवाब तलब

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर बगैर एप्रोच रोड के ही पुल बनाए जाने का मामला गंभीर होता चला जा रहा है। लगभग 100 करोड़ रुपए के कथित घोटाले का मामला है भी गंभीर। भ्रष्टाचार के सेतुओं के निर्माण में प्रशासन के अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस संबंध चास निवासी रवि वर्मा की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका पर अदालत ने गंभीरता दिखाई है। इस संबंध में जांच आयोग की रिपोर्ट जमा किए जाने के बाद अदालत ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार मिश्रा एवं जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने प्रार्थी और राज्य सरकार को आयोग की रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले में अगले सुनवाई आगामी आठ सितंबर को होगी।

विदित हो कि अदालत ने जांच के लिए तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया है। सुनवाई के दौरान आयोग की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि पुल के पास कुछ पक्की सड़क दिख रही है। बाकी कच्ची ही लग रही है। इस पर राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने अदालत को तर्क दिया कि पुल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क बनाई गई थी। हो सकता है 2012-13 में उक्त सड़क थोड़ी टूट गई हो। इसकी मरम्मत करा दी जाएगी।

बता दें कि प्रार्थी की ओर से अदालत को बताया गया है कि चंदनकियारी में कई जगह पर कैसे पुल बना दिए गए हैं, जिनके पहुंच-पथ अभी तक नहीं बन सके हैं। कहीं खेतों में तो कहीं अन्य अनुपयुक्त जगह पर पुल बना दिए गए। जिले में चंदनकियारी में लगभग सात जगहों पर ऐसे भ्रष्टाचार के सेतु बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 'मिथिला वर्णन' ने इस मामले को काफी प्रमुखता के साथ उजागर किया था।

इन सात जगहों पर जैसे-तैसे बना दिए गए पुल

1). पुरुलिया रोड से 2 किलोमीटर नजदीक एवं चंदनकियारी के समीप गवई नदी पर बना पुल,
2). चंदनकियारी में वर्ष 2016 में पूरा हुआ दामोदर नदी पर 9.96 करोड़ रुपए की लागत से बना विनोद बिहारी सेतु,
3). चंदनकियारी बनगड़िया गांव में बना पुल,
4). चास प्रखंड में बेंदी गांव से दुगार्पुर गांव के लिए इजरी नदी पर बनाया गया पुल,
5). चास प्रखंड के मूर्तिटांड़ गांव से सेक्टर 5 के रास्ते में गरगा नदी पर बनाया गया पुल,
6). चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-1 से भर्रा के रास्ते तैयार पुल,
7). चास प्रखंड के सीमाबाद गांव में गवई नदी पर बनाया गया पुल।

– संपादकीय –

आतंकवाद का एक और नया रूप

आतंकवाद हमारे देश में विविध रूपों में न सिर्फ कानून-व्यवस्था, बल्कि समाज के लिए भी एक बड़ी समस्या साबित होती रही है। आतंकवाद के इन विविध रूपों में एक नया नाम जुड़ गया है- कानूनी आतंकवाद। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दहेज उत्पीड़न कानून के दुरुपयोग को लेकर गंभीर चिन्ता जताते हुए इसे कानूनी आतंकवाद का नाम दिया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के गलत इस्तेमाल को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए न्यायालय ने कहा कि महिलाओं ने आईपीसी की धारा 498 ए का दुरुपयोग करके एक तरह से कानूनी आतंकवाद फैलाया है। स्वपन दास बनाम पश्चिम बंगाल राज्य के मामले में सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शुभेन्दु सामंत ने कहा कि धारा 498 ए समाज से दहेज के प्रकोप को खत्म करने और महिलाओं के कल्याण के लिए लाया गया था, लेकिन इसका इस्तेमाल अब झूठे मामले दर्ज कराने में हो रहा है। जस्टिस सामंत एक व्यक्ति और उसके परिवार से अलग हो चुकी पत्नी की ओर से दायर मामले की सुनवाई कर रहे थे। न्यायालय ने महिला की शिकायत पर निचली अदालत से शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई को भी रद्द कर दिया। जस्टिस शुभेन्दु सामंत ने अपने फैसले में कहा कि धारा 498 ए के तहत क्रूरता की परिभाषा में दिए गए उत्पीड़न और यातना को केवल वास्तविक शिकायतकर्ता (पत्नी) द्वारा साबित नहीं किया जा सकता है। एक व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ धारा 498 ए के मामले को रद्द करते हुए अदालत ने कहा कि 'आपराधिक कानून एक शिकायतकर्ता को आपराधिक शिकायत दर्ज कराने की अनुमति देता है, लेकिन इसे ठोस सबूत पेश करके ही जायज ठहराया जाना चाहिए।' हाईकोर्ट उस व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अक्टूबर और दिसंबर 2017 में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा दर्ज कराए गए आपराधिक मामलों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका के मुताबिक आरोपी की पत्नी ने पहली बार अक्टूबर 2017 में पति के खिलाफ मानसिक और शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने कुछ गवाहों और इस जोड़े के पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए। हालांकि, पुलिस ने कहा कि पति के खिलाफ केवल सामान्य और आम तरह के आरोप लगाए गए थे। इसके अलावा पत्नी ने दिसंबर 2017 में एक और शिकायत दर्ज कराई, जिसमें पति के परिवार के सदस्यों का नाम लेते हुए उन पर क्रूरता करने और उसे मानसिक एवं शारीरिक यातना देने का आरोप लगाया गया। न्यायालय ने शिकायतकर्ता की याचिका में लगाए गए आरोपों को मनगढ़ंत माना। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट की टिप्पणी बिल्कुल सही प्रतीत होती है, क्योंकि धारा 498 ए के प्रावधानों के दुरुपयोग के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। खासकर, 'वेस्टर्न कल्चर' को अपना आदर्श मानकर भारतीय सभ्यता व संस्कृति को तिलांजलि देने वाले परिवारों में पली-बढ़ी कुछ महिलाओं द्वारा इस कानून की आड़ में झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाकर भोले-भाले निर्दोष परिवारों को तबाह किये जाने के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। आज 'मोबाइल कल्चर' और 'सोशल मीडिया' का बढ़ता दुष्प्रभाव हंसते-खेलते परिवारों को तहस-नहस कर रहा है। अदालतों में संबंध-विच्छेद के मामलों की भरमार लगी है। किसी परिवार की बर्बादी के लिए दहेज अधिनियम का दुरुपयोग एक घातक हथियार के रूप में किया जा रहा है। यहां तक कि शीर्ष अदालत की चेतावनी के बाद भी इस पर अंकुश नहीं लग पाया है। ऐसी स्थिति में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इसे कानूनी आतंकवाद का जो नाम दिया है, वह बिल्कुल सही प्रतीत होता है। ऐसे में केन्द्र सरकार जिस तरह अंग्रेजों के बनाये कुछ कानूनों को निरस्त कर उसमें बड़ा बदलाव करने जा रही है, उसी तरह इस कानून को भी नए तरीके से परिभाषित किये जाने की आवश्यकता है, ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com

(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

संवाद : धरती माँ का, मामा से

धरती माँ ने पुलकित होकर
तेइस अगस्त के सायंकाल,
कहा चाँद से, 'अनुज प्रिय हे!
कह कैसा है तेरा हाल...'

हमने भेजा है 'विक्रम' को,
पहुँच चुका वह तेरे द्वार
लेकर के 'प्रज्ञान' अनोखा,
कर लेना उसको स्वीकार।

'मामा के आँगन की खुशबू
लेकर खुश होगा 'प्रज्ञान'।
भेजेगा कुछ नयी सूचना
आह्लदित होगा विज्ञान!'

चाँद खुशी से मुदित हुआ-सा
सुनता था धरती की बात।
हाथ बढ़ा उसने स्वीकारी
धरती की अनुपम सौगात।

फिर धरती ने कहा, 'बाँध -
लेना जो राखी भेजी है।
मुँह मीठा भी करना भाई
रोली-तिलक सहेजी है।'

चाँद गह्वरित हुआ खुशी से
उसकी आँखें भर आयी।
उसने दुलराया भांजे को
नन्ही-सी लोरी गायी।

दो दिन बाद कहा चंदे ने,
'सुन ले बहना देकर ध्यान।
बस मत करना इतने-से ही,
जारी रखना अनुसंधान।'

'ऊब गया हूँ बहुत, अकेला -
घूम-घूमकर कक्षा में।
भेजो अगली बार मनुज कुछ
तुम मेरी अभिरक्षा में।'

मैं खेलूंगा बच्चा बनकर,
उन सारे भाँजों के साथ।
पिकनिक 'शिवशक्ति स्थल' पर,
तिलक 'तिरंगा' का ले माथ।

'एक दिन फिर ऐसा आएगा,
बस जायेंगे वे ननिहाल।
वह दिन होगा बहुत अनोखा,
मैं होऊँगा परम निहाल।'

- कुमार मनीष अरविन्द -

मैथिली अभियान गीत

- सियाराम झा 'सरस' -

चन्द्र-विजय

इसरो सन अभिनव देल नाम
तिनकर जय-जय! तिनको जय....
थुम्बा-हरिकोटा नवल ग्राम
तिनकर जय-जय! तिनको जय...

बाबा-भाभा केर दिव्य-दृष्टि
रोहिणी प्रभृति उपग्रहक सृष्टि
साराभाईक निरमाओल धाम
तिनकर जय-जय! तिनको जय...

नेहरुक प्रथम संकल्प अमर
शास्त्री- इन्दूक विकल्प अमर
सहयोग मित्र-देशोक ललाम
तिनकर जय-जय! तिनको जय...

कम्प्यूटर, राजीव-युग आयल
तै सँ रिसर्च-कृति फौदायल
विज्ञान-शोध-रत बिनु विराम
तिनकर जय- जय! तिनको जय...

ओ आठ इस्वीक अभियान- एक
पुनि उन्नैसक द्वितीयो टेक
मोदिक तेसर स्वर्णिम प्रणाम
तिनकर जय-जय! तिनको जय...

चाँद पे उतरा चन्द्रयान है

भारत के जन-मन की खुशियां, आज छू रही आसमान है,
सारा देश हुआ गर्वित है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

ऋषि-मुनियों की तपोभूमि यह, ज्ञान-सूर्य जहाँ उदित हुआ था,
इसी धरा पर वेद-मंत्र का सरस गान उच्चरित हुआ था।
इसके आँगन में वैज्ञानिक अन्वेषण प्रज्वलित हुआ था,
सृष्टि-चक्र के आदि-अंत का सब रहस्य उत्तरित हुआ था।
भारत के अतीत का गौरव, लिये दीप्त यह वर्तमान है,
सारा देश हुआ गर्वित है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

ऋषि कणाद, भास्कराचार्य जी, 'चन्द्र विजय' से होते गर्वित,
बोधायन, वराहमिहिर भी, ब्रह्मगुप्त होते अति हर्षित।
देख चाँद पर गड़ा तिरंगा, हैं 'कलाम साहब' भी दर्पित,
दुनिया के सारे वैज्ञानिक, इसे देखकर हैं आश्चर्यित।
सपना पूरा हुआ देश का, यह विकास का नव-विहान है,
सारा देश हुआ गर्वित है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

सोम-भूमि पर चन्द्रयान को, भेजे जो ये 'सोमनाथ' हैं,
'इसरो' के ये चेयरमैन हैं, चार विज्ञानिक और साथ हैं।
पूर्व रहे अधिकारी जो भी, सभी बढ़ाये सबल हाथ हैं,
राधा कृष्णन और माधवन, दिये टीम को आशीर्वाद हैं।
इसरो ने इतिहास रच दिया, नया बनाया कीर्तिमान है,
सारा देश हुआ गर्वित है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

चन्दामामा आज कर रहे, इस विक्रम लैंडर का स्वागत,
राखी बाँध रहा 'रोवर' है, रक्षा-बन्धन भी है आगत।
चाँद फतह कर लिया देश ने, 'सूरज' छूने की है चाहत,
आँख-मिचौनी करे 'शुक्र' से, इसके खातिर भी अकुलाहट।
शंखनाद विकसित भारत का, नभ-मण्डल में मूर्तिमान है,
सारा देश हुआ गर्वि है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

भारत पहुँचा अभी चाँद पर, आगे 'सूरज' तक जाएगा,
विश्व-क्षितिज पर अन्वेषण में, शीर्ष जगह भी यह पाएगा।
कई ग्रहों का मिट्टी-जल भी, भारत के भू पर लायेगा,
'सारा भाई' और साथ में, 'भाभा' को भी यह भायेगा।
आज मिला जो भी सम्मान है, भारत का यह स्वाभिमान है,
सारा देश हुआ गर्वित है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

मोदीजी ने दुनियाभर में, भारत का परचम लहराया,
आज विश्व के मानचित्र पर, भारत का रुतबा है छाया।
अर्थ-व्यवस्था में भी हमने, दुनिया को रास्ता दिखलाया,
विकसित देशों की पंक्ति में, बढ़कर आगे नाम लिखाया।
विश्वगुरु बनने की खातिर, अब भविष्य भी भासमान है,
सारा देश हुआ गर्वित है, चाँद पे उतरा चन्द्रयान है।।

– सुखनन्दन सिंह 'सदय'
सम्पादक, विहंगम योग सन्देश,
बोकारो स्टील सिटी, झारखण्ड।

चांद छूने की खुशी में झूमी इस्पातनगरी

गर्व का आह्लाद... मिशन चन्द्रयान-3 की सफलता पर बधाइयों का तांता

संवाददाता

बोकारो : चांद छूने की खुशी में इस्पातनगरी बोकारो भी झूम उठी है। भारत के मिशन चन्द्रयान-3 की सफलता और चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चन्द्रयान-3 से सफल लैंडिंग के लिए बोकारो में भी इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। दरअसल, चन्द्रयान-3 की सफलतम सॉफ्ट लैंडिंग नए भारत के सामर्थ्य और शक्ति का जोरदार प्रदर्शन है। इसरो के वैज्ञानिकों ने आज वह कर दिखाया है, जो अब तक विश्व के किसी देश ने नहीं किया था। चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचना, जो अब तक विश्व के लिए असंभव था, भारत के वैज्ञानिकों ने उस पर चन्द्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसरो की ओर से चन्द्रयान-3 के विक्रम लैंडर के चन्द्रमा की सतह पर उतरने का सीधा प्रसारण देखने के लिए बोकारो में बड़े तो क्या, स्कूली बच्चे भी काफी उत्साहित थे। खासकर, विक्रम लैंडर के चन्द्रमा पर उतरने के पूर्व का 17 मिनट का काफी कौतूहल भरा रहा। यहां के लोग चांद पर भारत की फतह से आह्लादित हैं।

चेम्बर ने दी बधाई

बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रदीप सिंह एवं संरक्षक संजय बैद ने चंद्रयान- 3 की सफलतापूर्वक लैंडिंग पर इसरो एवं सभी वैज्ञानिकों को ढेरों बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित होने का दिन है।

चंद्रयान- 3 की लांचिंग में शामिल बच्चों ने मनाया सफल लैंडिंग का जश्न

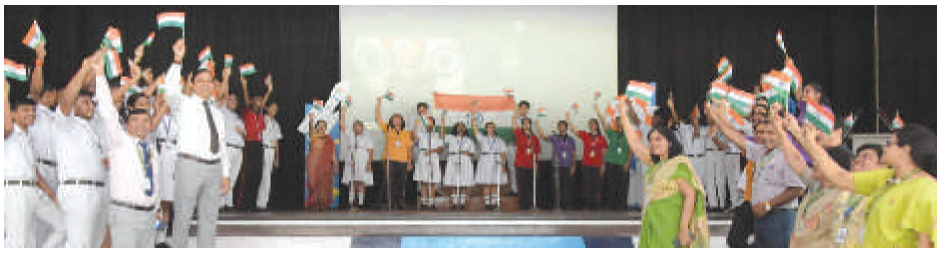

बीते 14 जुलाई को इसरो में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से चंद्रयान-3 की लांचिंग का प्रत्यक्ष गवाह बने डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय में विशेष आयोजन किया। विद्यालय की ओर से 66 विद्यार्थियों की टीम इसरो गई थी, जहां उन्होंने चंद्रयान - 3 की लांचिंग सशरीर उपस्थित होकर देखी थी। अब इसकी सफल लैंडिंग को देखना उनके लिए अविस्मरणीय एवं गर्व का विषय रहा। बुधवार शाम उन्होंने जहां दिवाली की तरह इसकी खुशियां मनाईं, वहीं गुरुवार को विद्यालय में तिरंगा लहराकर अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की इस बुलंदी का जश्न मनाया। विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में बच्चों के साथ इसरो गए शिक्षक तथा प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार भी इस उत्सव में शामिल हुए।

भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण : डॉ. गंगवार

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. गंगवार ने कहा कि चंद्रयान -3 की सफलता भारत की बढ़ती वैज्ञानिक ताकत का जीता-जागता प्रमाण है। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला पूरी दुनिया में एकमात्र देश है। इसके लिए इसरो के तमाम वैज्ञानिक आदर, सम्मान व नमन तथा सभी भारतवासी बधाई के पात्र हैं। इस क्रम में चंद्रयान- 3 की लांचिंग के दौरान मौजूद विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि जिस चंद्रयान- 3 को उन्होंने अपनी आंखों से प्रक्षेपित होते हुए देखा था, उनका चांद पर सफलतापूर्वक उतरना उनके लिए ऐसी खुशी है, जिसे वे शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने यह गौरवपूर्ण अवसर मुहैया कराने के लिए प्राचार्य डॉ. गंगवार तथा विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि पूरे झारखंड से एकमात्र डीपीएस बोकारो की टीम ही चंद्रयान- 3 की लांचिंग के दौरान मौजूद रही।

भारत ने रचा स्वर्णिम इतिहास : डॉ. लंबोदर

गोमिया के विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि भारत के इस ऐतिहासिक सफलता में झारखंड का नाम भी जुड़ गया है। डॉ महतो ने चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक चंद्रमा पर पहुंचने पर कहा है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि से हम सब भारतीय गौरवान्वित हैं। भारत ने स्वर्णिम इतिहास रच दिया। आज का दिन हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। भारत ने तकनीकी शक्ति की नई ऊंचाइयों को छुआ है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नए अध्याय का सूत्रपात ही नहीं हुआ है, बल्कि आज भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बन गया है। यह हम सबों के लिए ऐतिहासिक गौरव एवं अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक गौरव व सफलता में झारखंड का नाम भी जुड़ गया है, जिससे संबंधित एसएलपी - सेकंड लॉन्चिंग पैड की डिजाइन रांची के मेकॉन ने तैयार किया था और उसका निर्माण रांची में एचईसी में किया गया। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिक, तकनीशियन व कर्मचारियों इस सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

आक्रोश तस्वीर से छेड़छाड़ के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर, आंदोलन की चेतावनी

राजीव गांधी युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, उनके सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : देव शर्मा

संवाददाता

बोकारो : बोकारो हवाई अड्डे के सामने बार-बार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की तस्वीर क्षतिग्रस्त करने एवं छेड़छाड़ के विरोध में युवा कांग्रेसियों का आक्रोश उफान पर देखा गया। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव देव शर्मा की अगुवाई में सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया तथा सिटी थाने पहुंचकर अज्ञात विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने थाने में उपस्थित पदाधिकारी को एफआईआर दर्ज कराने हेतु आवेदन सुपुर्द किया।

इस दौरान देव शर्मा ने कहा कि राजीव गांधी देश की धरोहर रहे हैं। उनकी प्रतिमा तोड़ना बेहद शर्मनाक हैं। बोकारो हवाई अड्डा के सामने वर्षों पहले से भारतरत्न व पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की तस्वीर स्थापित की गई है, लेकिन विगत कई दिनों से बार- बार असामाजिक तत्वों द्वारा उनकी तस्वीर गायब करने का कुकृत्य किया जा रहा है। तीन-तीन बार ऐसा कुकृत्य किया गया। इससे यह प्रतीत होता है कि कुछ लोग जान बूझकर इस कृत्य को अंजाम दे रहे हैं। इस घटना से हम सभी जिला, राज्य समेत पूरे देश के कांग्रेसी आहत हैं। जिससे तनाव की स्थिति पैदा हो रही है। स्व. राजीव गांधी युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके सम्मान के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि बोकारो प्रबंधन भी भाजपा के कार्यकर्ताओं की भांति मूकदर्शक बना है। प्रबंधन के अधिकारियों को पता होने चाहिए कि यह प्लांट भी कांग्रेस और इंदिरा गांधी जी की ही देन हैं। इसके बावजूद उनकी चुप्पी चिंताजनक है। अगर जिला प्रशासन और बोकारो प्रबंधन द्वारा ऐसे असामाजिक तत्वों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई नहीं की गई नहीं दी गई तो वे लोग सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करने का काम करेंगे, जिसकी सारी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी। इस मुद्दे को लेकर जल्द ही वह राज्य के मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे।

पारदर्शी व सुरक्षित निर्वाचन को लेकर प्रशासन कटिबद्ध : डीसी

डुमरी उपचुनाव... 174 बूथों पर होगा मतदान, 92 पर होगी वेब-कास्टिंग

संवाददाता

बोकारो : 33, डुमरी विधानसभा उप चुनाव को लेकर जिला प्रशासन तैयारी में जुटा है। मतदान के दौरान मतदान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जिला अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों में से 92 मतदान केंद्रों में वेब-कास्टिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

बता दें कि डुमरी विधानसभा उप चुनाव अंतर्गत जिले में आने वाले कुल 174 मतदान केंद्र (नावाडीह एवं चंद्रपुरा प्रखंड के कुछ हिस्से) हैं। इसमें नावाडीह प्रखंड में 129 मतदान केंद्र एवं चंद्रपुरा प्रखंड में 45 मतदान केंद्र शामिल है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश अनुसार होने वाली इस वेब-कास्टिंग के द्वारा इन मतदान केंद्रों में मतदान कर्मियों, मतदान के लिए आने-जाने वाले नागरिकों तथा असामाजिक तत्वों द्वारा की जा सकने वाली किसी भी संभावित गड़बड़ी पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इस बार मतदान केंद्रों के अंदर के साथ बाहर परिसर का भी लाइव प्रसारण होगा।

इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बताया कि डुमरी विधानसभा उप चुनाव अंतर्गत जिले में आनेवाले कुल 174 मतदान केंद्रों (नावाडीह एवं चंद्रपुरा प्रखंड के कुछ हिस्से) में से चिन्हित 92 मतदान केंद्रों पर वेब-कास्टिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी। नावाडीह प्रखंड के 65 मतदान केंद्रों एवं चंद्रपुरा प्रखंड के 27 मतदान केंद्रों में वेब-कास्टिंग होगी।

इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दे दिया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य मतदान केंद्रों पर भी वीडियोग्राफी टीम एवं माइक्रो ऑब्जर्वर्स के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी।

‘बंधन’ में निबंधन

चास में अवर निबंधन पदाधिकारी के खिलाफ फूटा आक्रोश

तबादला न होने तक बेमियादी हड़ताल पर दस्तावेज नवीस, सवा करोड़ का काम प्रभावित

संवाददाता

बोकारो : चास में रजिस्ट्री ऑफिस की गड़बड़ी तो लगातार सामने आती रही है, लेकिन अब अवर निबंधन पदाधिकारी के खिलाफ जिस कदर दस्तावेज नवीसों का आक्रोश फूट पड़ा है, उससे पूरा निबंधन कार्य ‘बंधन’ में आ चुका है। विगत लगभग सप्ताह से खबर लिखे जाने तक वे कलमबंद हड़ताल पर डटे हैं। वे अवर निबंधन पदाधिकारी बालेश्वर पटेल पर अमर्यादित व्यवहार का आरोप लगाते हुए उनके तबादले तक हड़ताल जारी रखने की बात पर अड़े हैं। सूत्रों के अनुसार विगत एक हफ्ते में लगभग सवा करोड़ रुपए का काम इस हड़ताल के कारण प्रभावित हुआ है। शनिवार को भी उनकी हड़ताल जारी रही। मौके पर चास निबंधन कार्यालय दस्तावेज नवीस संघ के अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने कहा कि अवर निबंधन पदाधिकारी के व्यवहार में किसी तरह का बदलाव नहीं आया है। जब तक सरकार इनका तबादला नहीं करती है, हड़ताल जारी रहेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वरीय पदाधिकारी आएंगे तभी वार्ता होगी, लेकिन इनका तबादला भी जरूरी है। दस्तावेज नवीस संघ के प्रवक्ता जय कुमार भगतिया ने कहा कि रजिस्ट्रार बिना वजह लोगों को परेशान करते हैं। इनके व्यवहार से सभी परेशान हैं। बेवजह काम में विलंब कर दिया जाता और बाद में विलंब शुल्क जबरन वसूला जाता है।

इधर, बोले अफसर– नियमसंगत ही करेंगे काम

चास के अवर निबंधन पदाधिकारी बालेश्वर पटेल का कहना है कि वह नियम-संगत कागजात के आधार पर ही रजिस्ट्री करेंगे। दस्तावेज नवीस संघ बिना पूर्व सूचना दिए ही कलमबंद हड़ताल पर गए हैं। उन्होंने बताया कि आमलोगों की सुविधा के लिए कार्यालय में पूछताछ काउंटर पहले से ही संचालित है। अगर लोगों को जमीन रजिस्ट्री संबंधित कोई जानकारी प्राप्त करनी है, तो वे सीधे कार्यालय में आकर इसकी जानकारी ले सकते हैं। वे वकील या रजिस्टर्ड दस्तावेज लेखक से हस्ताक्षर कराकर सीधे जमीन की रजिस्ट्री करा सकते हैं। विभाग की वेबसाइट पर भी सहायता प्राप्त करते हैं।

अगले माह चीन में एशियाई खेल में भाग लेंगी की फ्लोरेंस

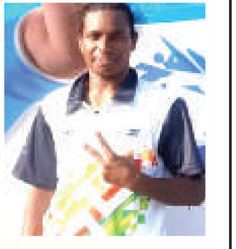

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित भाटिया एथलेटिक्स एकेडमी की एथलीट फ्लोरेंस बारला 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक चीन के हांगझोऊ में आयोजित होनेवाले एशियाई खेल में भाग लेगी। फ्लोरेंस बारला एथलेटिक्स के महिला वर्ग में 4 गुना 400 मीटर रिले दौड़ में ट्रैक पर चीन में दौड़ती हुई दिखेंगी। चीन के हांगझोऊ स्थित एशियाई खेलों के लिए 24 अगस्त को घोषित भारतीय टीम में फ्लोरेंस बारला को भी जगह मिली है। फ्लोरेंस वर्तमान में रेलवे में कार्यरत हैं और बिलासपुर में पदस्थापित हैं। फ्लोरेंस बारला ने एशियाई खेलों के लिए 16 जून को ही सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दौरान पात्रता हासिल कर ली थी। फ्लोरेंस के चयन पर उनके कोच आशु भाटिया, गौतम चंद्र पाल सहित अन्य प्रशिक्षक व एकेडमी के एथलीटों ने बधाईयां और शुभकामनाएं दी हैं। फ्लोरेंस के चयन के बाद बोकारो थर्मल स्थित भाटिया एथलेटिक्स एकेडमी में हर्ष का माहौल है।

बेहतरी

शहीद तिलका मांझी मेमोरियल डीवीसी अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सुविधा शुरू

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के प्रति डीवीसी तत्पर : पांडेय

संवाददाता

बोकारो : शहीद तिलका मांझी मेमोरियल अस्पताल डीवीसी में एशियान द्वारिका दास जालान सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, धनबाद के सहयोग से सुपर स्पेशलिटी ओपीडी सेवा का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान सुनील कुमार पाण्डेय ने किया। ओपीडी सेवा के तहत हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ की सुपर स्पेशलिटी सेवा हर माह के चौथे शुक्रवार को समय सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक उपलब्ध होंगी। डीवीसी कर्मचारियों के लिए निःशुल्क एवं सामान्य जनों के लिए डीवीसी रेट पर विशेषज्ञ डॉक्टरों- डॉ. कुणाल किशोर (न्यूरोलॉजिस्ट), डॉ. शादाब अहमद (हृदयरोग विशेषज्ञ) डॉ. विनीत अग्रवाल (हड्डी एवं स्पाइन रोग विशेषज्ञ) की सेवा ली जा सकती है। ईसीजी एवं शुगर की जांच भी निःशुल्क की जाएगी। समारोह के विशिष्ट अतिथियों में उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास, दिलीप कुमार, वरीय प्रबंधक उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि इस सुविधा से यहां के कर्मचारियों एवं आमजनों को सुपरस्पेशलिटी सेवा का लाभ मिलेगा। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को दूर शहरों में जाना पड़ता था। अब इन बीमारियों की जांच इसी अस्पताल में कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि उक्त ओपीडी सेवा प्रारंभ होने से चंद्रपुरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र को लोगों को भी भरपूर लाभ प्राप्त होगा। डीवीसी प्रबंधन अपने कर्मियों और क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने ले प्रतिबद्ध है। पहले दिन लगभग 60 लोगों की जांच की गई। डीवीसी अस्पताल चन्द्रपुरा के वरीय सर्जन सह इंचार्ज डॉ एके श्रीवास्तव ने कहा कि डीवीसी का प्रयास है कि लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। समारोह में डीवीसी चन्द्रपुरा के वरीय चिकित्सक डॉ अंजलि तिग्गा, डॉ एल सोरेन, डॉ एस हेम्ब्रम, डॉ परमवीर कुमार, मेट्रन सिस्टर हेमलता, सिस्टर लिली पुष्पा, बीके महापात्रा, अशोक कुमार, दीपक कुमार आदि उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

हरित उद्योग को लेकर एकजुट हुई आवाज

बोकारो : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आई.ई.आई.) बोकारो लोकल सेंटर द्वारा सेल बोकारो स्टील प्लांट के सहयोग से ‘उद्योगों के लिए सतत और हरित प्रौद्योगिकी’ विषय पर दो दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार आयोजित किया गया। औद्योगिक इकाइयों में पर्यावरण-सम्मत प्रणालियों के एकीकरण के विषय में मंथन करने हेतु पेशेवरों, विशेषज्ञों और शिक्षाविदों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ आई.ई.आई. बोकारो सेंटर के विश्वेश्वरैया हॉल में मुख्य अतिथि बीरेंद्र कुमार तिवारी, अधिशासी निदेशक (संकार्य), बोकारो स्टील प्लांट और विशिष्ट अतिथि अनिंदा दास, सी.ई.ओ., बी.पी.एस.सी.एल. ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्री तिवारी, अधिशासी निदेशक (संकार्य), बोकारो स्टील प्लांट ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय की मांग हैं, जहां वर्तमान परिदृश्य जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से निपटने के लिए तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। वक्ताओं ने कहा कि ग्रीन हाउस गैस (जी.एच.जी.) उत्सर्जन में वृद्धि के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप समुद्र के स्तर में वृद्धि, चरम मौसम की स्थिति और जैव विविधता की हानि जैसे गंभीर परिणाम सामने आए हैं। हम सभी के लिए अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करके एक स्थायी भविष्य की दिशा में योगदान देना अनिवार्य हो गया है।

देशभक्ति समूह गायन में प्रथम रहे विद्यार्थी सम्मानित

बोकारो : अंतर जिला देशभक्ति समूह गायन प्रतियोगिता में डीपीएस चास के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्कूल में गायन समूह के सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उक्त प्रतियोगिता डॉ. राधाकृष्णन सहोदया कॉम्प्लेक्स की ओर से बीएसएल एलएच स्थित एआरएस पब्लिक स्कूल में 23 अगस्त को आयोजित की गई थी। इसमें 25 स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में गायन में कक्षा-8 की अक्षरा कुमारी, साक्षी कुमारी, कक्षा-9 में मयंक राज, अनुराग पांडेय व अयुष सिंह शामिल थे। वहीं वाद्ययंत्र पर संगति कक्षा- 7 के अनमोल कुमार व कक्षा-9 के बौद्धिक गोस्वामी ने दी थी। स्कूल के डायरेक्टर नवीन शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, डीएस मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल, विद्यालय ने डीन जॉस थॉमस ने इस उपलब्धि पर विजयी विद्यार्थियों को बधाई दी।

दरकू हाड़ी की प्रतिमा का किया अनावरण

बोकारो : गांधीनगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर स्टेडियम बाड़ी ग्राम बेरमो में 22वां दरकू हाड़ी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने स्वर्गीय दरकू हाड़ी की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित कर किया। मुख्य अतिथि पूर्व ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो सहित अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह झामुमो नेता अनिल अग्रवाल, गांधीनगर थाना प्रभारी अनूप कुमार ने संयुक्त रूप से खिलाड़ी का परिचय प्राप्त कर खेल का शुरुआत की। अनिल अग्रवाल ने कहा कि हाड़ी समाज ने पिछले कई दशकों से इस तरह के आयोजन कर फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने का काम कर रहा है। उद्घाटन मैच झारखंड 11 रांची और हिल स्टार क्लब गांधीनगर के बीच खेला गया। झारखंड 11 रांची ने 2-0 से अपनी जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच राजेश लांबा रहे। इस आयोजन में कमेटी की पूरी टीम काफी सक्रिय रही।

अभिभावक बच्चों के साथ सकारात्मक समय बिताएं : त्रिपाठी

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो के स्वामी तपोवन सभागार में कक्षा पांचवी एवं छठी के अभिभावकों के लिए लिए पैरेंट इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित की गई। बच्चों ने स्वागत गान गाकर सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने सभी अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के बेहतरी के लिए उनके प्रति ईमानदार बने रहे। समय निकालकर उनके साथ सकारात्मक समय बिताएं। लगातार विद्यालय के शिक्षकों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें। यह सामंजस्य बना रहे तो किसी भी छात्र का जीवन नया रूप ले सकता है। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि लगातार सही दिशा में लक्ष्य निर्धारित कर प्रयास करते रहने से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से रोचक पढ़ाई सुनिश्चित करने की दिशा में विद्यालय की ओर से प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन सुरूचि पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन रश्मि सिंह ने किया।

अगले साल बनेगी हमारी डबल इंजन की सरकार, सूबे में 1932 का खतियान भी करेंगे लागू : हेमंत

डुमरी उपचुनाव के बहाने केंद्र सरकार व बीजेपी की घेराबंदी में जुटे मुख्यमंत्री

संवाददाता
बोकारो : झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 2024 में हमलोगों की डबल इंजन की सरकार बनेगी। 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति भी लागू करेंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को बोकारो जिले के तेलो में डुमरी उपचुनाव में आईएनडीआईए की उम्मीदवार मंत्री बेबी देवी के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा का संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2019 से हमारी सरकार के बनने के साथ ही विरोधी सरकार गिराने में लगे हुए हैं, लेकिन ईश्वर की कृपा से अभी तक हमारी सरकार है, जो 2024 तक और अगले टर्म तक रहेगी।

'इस बार तय है मोदी सरकार का जाना'

सीएम ने कहा कि इस बार केंद्र से मोदी सरकार का जाना तय है। कैग की रिपोर्ट आया है कि एक ही मोबाइल नंबर पर लाखों रजिस्ट्रेशन कर आयुष्मान भारत में अरबों रुपए का घोटाला किया है। भारत माला प्रोजेक्ट में अरबों की हेराफेरी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कम अपनी उपलब्धि का लेखा-जोखा देंगे और केंद्र सरकार से लेखा-जोखा लेंगे। श्री सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार बाबा साहब अंबेडकर का लिखित संविधान बदलकर अपने हिटलर का संविधान लाना चाहती है। जिसमें कोई हक मांगने के लिए धरना, प्रदर्शन, हड़ताल तक नहीं कर सकता है। यह सरकार अपनी करनी से डर रही है कि कहीं जनता विरोध नहीं कर दे, क्योंकि इस सरकार में बेरोजगारी बढ़ी है। देश की 80 फीसदी जनता राशन कार्ड के भरोसे जिंदा है। इस अवसर पर मंत्री बादल पत्रलेख, सत्यानंद भोक्ता, विधायक कुमार जयमंगल सिंह, सुधीर महतो व मंत्री दर्जा प्राप्त योगेंद्र प्रसाद महतो ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

'एनडीए ने राज्य का किया बंटाधार'

सभा के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि एनडीए ने 19-20 वर्ष के शासनकाल में राज्य का बंटाधार कर दिया है। इसे सुधारने में थोड़ा समय और लगेगा। उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने के समय पिछड़ों का 27 फीसदी आरक्षण था, 1932 खतियान भी था। लेकिन एनडीए सरकार ने आरक्षण घटाकर 14 फीसदी किया तथा 1932 खतियान को पेंचीदा बनाकर अंततः 1985 बना दिया। कहा, हमलोग उक्त समस्या का निदान के अतिरिक्त आदिवासियों का आरक्षण बढ़ाने सहित अन्य समस्या निदान में लगे हैं। कहा कि, हमलोग अपना कार्यकाल विपरीत स्थिति में चला रहे हैं। कोरोना ने एक वर्ष तथा केंद्र सरकार द्वारा सरकार गिराने के साजिश के बीच अपनी सरकार चल रही है। वहीं कई उप चुनाव भी हमलोगों को देखना पड़ा, जिसमें लगभग सभी में विपक्ष को पटकनी दिए हैं। इस उप चुनाव में भी जनता सभी विपक्षियों का जमानत जब्त कराकर जवाब देगी। मंहगाई बढ़ाने वाली, आटा चावल, दाल, दूध, दही में टैक्स लगाने वाली, गैस सिलेंडर का दाम 500 से बढ़ाकर 1200 रुपए करने वाली, झारखंड का 11 लाख राशन कार्ड बंद करने वाली सरकार हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके जनता में जहर भरने का काम कर रही है।

तुलसीदास ने मर्यादा पुरुषोत्तम को बनाया भगवान : डॉ. सुलभ

प्रबुद्ध हिन्दू समाज

प्रबुद्ध हिन्दू समाज ने मनायी जयंती, कई सम्मानित

विशेष संवाददाता
पटना : 'राम का उल्लेख वाल्मीकि रामायण के पहले के प्राचीन साहित्य में न के बराबर है। वाल्मीकि रामायण में श्रीराम की चर्चा देवत्व के गुणों से युक्त एक मर्यादा पुरुषोत्तम राजा के रूप में हुई है। श्रीराम को भगवान बनाया भक्ति-आंदोलन ने, जिसके नायक तुलसी दास हैं। उनकी काव्य-प्रतिभा अतुल्य है। उन्होंने ही राम को परम ब्रह्म और ईश्वर बना दिया। साक्षात मनुष्य के रूप में खड़ा कर श्री राम में ईश्वरत्व का आरोपण किया। राम को आधार बनाकर भक्ति को चरम पर ले जाने का सम्पूर्ण श्रेय संत तुलसी को जाता है और यही उनके महान ग्रंथ राम चरित मानस का प्रतिपाद्य है।' उक्त बातें पटना के पटेल नगर स्थित देव पब्लिक स्कूल में प्रबुद्ध हिन्दू समाज द्वारा आयोजित तुलसी जयंती का उद्घाटन करते हुए बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ ने कही। डा. सुलभ ने कहा कि तुलसी ने राम कथा के माध्यम से समाज के समक्ष एक ऐसा आदर्श रखा, जो युगों-युगों तक भारत को श्रेष्ठ बनाए रखने में सक्षम है। यह तुलसी ही हैं, जिन्होंने आदि कवि बाल्मीकि के मर्यादा-पुरुषोत्तम श्री राम को भगवान बना दिया। उनके दर्जन-भर ग्रंथ हिन्दी साहित्य की अनमोल निधि हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुभाष प्रसाद सिन्हा ने कहा कि संत तुलसी दास की विशेषता यह है कि उन्होंने मानस के माध्यम से राम और रामायण को घर-घर में पहुंचा दिया। राम की कथा समाज के लिए आदर्श है। यह परस्पर व्यवहार का भी प्रशिक्षण देती है।

इस अवसर पर डा मनोज गोवर्द्धनपुरी, कुमार अनुपम, अरुण शंकर, डा मनोज कुमार, रत्नेश आनन्द तथा अजय कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सभा की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष प्रो जनार्दन सिंह ने की। अतिथियों का स्वागत संस्था के महासचिव आचार्य पांचु राम ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन अरुण कुमार राय ने किया। मंच का संचालन विद्यालय के निदेशक डा दिनेश कुमार देव ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्था के अध्यक्ष ने विद्वानों और विदुषियों को अंग-वस्त्रम और पुष्प-हार पहनाकर सम्मानित किया।

पुपरी के लाल रवि सहित चंद्रयान -3 मिशन में मिथिला के कई युवाओं ने निभाई अहम भूमिका, क्षेत्र गौरवान्वित

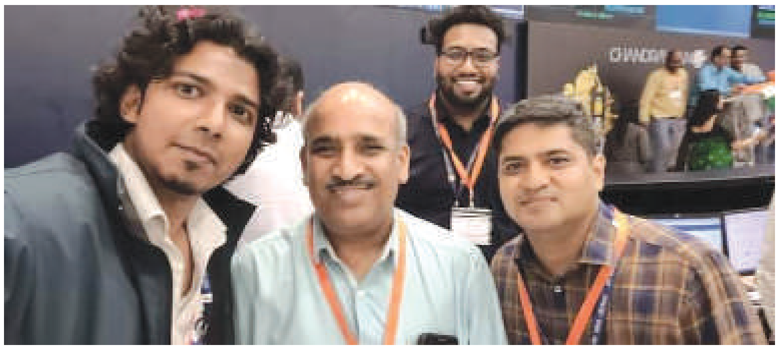

पुपरी : राजबाग, पुपरी निवासी रिटायर्ड बैंककर्मी अरुण कुमार चौधरी और मधुबाला चौधरी के सुपुत्र रवि कुमार ने चंद्रमा पर हुई चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सफल लैंडिंग में रवि कुमार चंद्रयान-3 की नेटवर्क सिक्योरिटी को हैंडल कर रहे थे। रवि के इस योगदान पर सम्पूर्ण शहर, इलाका और परिवार गौरवान्वित हैं। रवि कुमार चंद्रयान-2 के सफल प्रक्षेपण में भी अपना योगदान दे चुके हैं। इसके लिए सिटीजन फोरम ऑफ पुपरी परिवार ने पुपरी के गौरव रवि को शुभकामनाएं और बधाई दी है।

चंद्रयान- 3 मिशन की सफलता में पुपरी के रवि के अलावा मिथिलांचल के कई युवाओं ने भी अपनी अहम भूमिका निभाई है। समस्तीपुर (पूसा) के अमिताभ कुमार ने चंद्रयान मिशन के ऑपरेशन डायरेक्टर की भूमिका अदा की। जबकि, दरभंगा के प्रियांशु ने कैमरा तकनीक पर काम किया। वहीं, मधुबनी (कोतवाली चौक) के मोइनुद्दीन हसन ने प्रक्षेपण यान उपग्रह लिक्विड कंट्रोल वॉल्व में अपनी अहम जिम्मेदारी निभाई। इसी प्रकार, सहरसा के कहरा गांव से आयुष झा, सत्तर कटैया प्रखंड के नीतीश यादव और पूर्णिया जिला के सुधांशु कुमार ने अपनी-अपनी जवाबदेही निभाकर इस ऐतिहासिक मिशन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

साहित्यविदों ने मनाई गोस्वामी तुलसीदास की जयंती

सीतामढ़ी संस्कृति मंच
आपका हार्दिक स्वागत करता है।
सीतामढ़ी जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन
(बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना से संबद्ध)

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी : राजोपट्टी, सीतामढ़ी स्थित जानकी विद्या निकेतन के सभागार में श्रीराम जी के परमभक्त गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती सीतामढ़ी हिन्दी साहित्य सम्मेलन एवं सीतामढ़ी सांस्कृतिक मंच के संयुक्त तत्वावधान में धूमधाम के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन की अध्यक्षा संगीता चौधरी ने की, वहीं मंच संचालन विमल कुमार परिमल ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिले के वरिष्ठ साहित्यकार रामबाबू नीरव सहित जानकी विद्या निकेतन की प्राचार्या सुभद्रा ठाकुर, एक नयी सुबह के संपादक डा. दशरथ प्रजापति तथा राम सकल सिंह, महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डा. पंकजवासिनी आदि उपस्थित रहे। विद्यालय के निदेशक दिनेश चन्द्र द्विवेदी ने संक्षिप्त में विषय प्रवेश कराते हुए कबीर के राम तथा तुलसी के राम पर प्रकाश डाला। कुरथहिया कबीर मठ के संत मोहन दास ने कबीर के राम को निराकार परब्रह्म बताते हुए कहा कि उनके राम प्रकृति के कण कण में रमे हुए हैं। भुवनेश्वर चौधरी ने तुलसी के राम को अवतारी प्रभु बताते हुए उनके सगुण रूप की व्याख्या की। डा. गणेश राय, डा. प्रमोद प्रियदर्शी, डा. दशरथ प्रजापति, डा. विनय कुमार चौधरी, डा. उमेश कुमार शर्मा तथा साहित्यकार रामबाबू नीरव ने साहित्यिक अंदाज में गोस्वामी तुलसीदास तथा संत शिरोमणि कबीर दास के राम की व्याख्या की। परिचर्चा में राम प्रमोद मिश्र, धनेश्वर चौधरी, अजय कुमार झा, डा. शशिरंजन कुमार, शालिनी सिंह आदि ने भी अपने अपने विचार रखे। कहानीकार रामबाबू नीरव ने अपने पांचवे उपन्यास के शीघ्र लोकार्पण कराए जाने की घोषणा की।

शिव का अमृतवर्षी रूप है महामृत्युंजय

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

भगवान शंकर के जितने विविध रूप हैं, उतने विश्व में किसी देवता के नहीं मिलेंगे। यजुर्वेद में उग्र रूप में हैं तो उपनिषद काल में कल्याणकारी आशुतोष शिव और शंकर के रूप में। पुराणों में उन्हें गिरिजापति बनाकर श्रृंगार का देवता माना गया है तो वहीं विषपान कर नीलकंठ के रूप में प्रचलित हुए। कहीं वे नटराज हैं तो कभी श्रृंगारीनायक ईश्वर। इससे भी महत्वपूर्ण और श्रेष्ठतम रूप है अमृतवर्षी। महामृत्युंजय शंकर के चिन्तन, मनन, पूजन और साधना से मृत्यु को हमेशा के लिए समाप्त किया जा सकता है। इसीलिए मार्कण्डेय ऋषि ने कहा है- 'चन्द्रशेखरमाश्रये मम् किं करिष्यति वै यमः' अर्थात जब मैं चन्द्रशेखर के आश्रित हूं तो यम मेरा क्या बिगाड़ सकता है? दीर्घायु एवं स्थाई आरोग्य प्रत्येक मानव के लिए परम आवश्यक है। इसके लिए वह प्रतिदिन, प्रतिक्षण चिन्तित रहता है और विविध औषधियों तथा उपायों का सहारा लेता है। महामृत्युंजय साधना इस दृष्टि से सर्वोपरि है, जिससे साधक निरोग तथा दीर्घायु बना रहता है और उसका सारा जीवन आनन्द हेतु व्यतीत होता है।

अथर्ववेद के अनुसार परम ब्रह्म का आविर्भाव हुआ, ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया, जब समस्त लोक प्राणियों की अधिकता से भर गये और श्वास लेने में भी बाधा उत्पन्न होने लगी तो ब्रह्माजी के नेत्रों से प्रचण्ड अग्नि उत्पन्न हुई और वह प्राणियों को जलाने लगी। ऐसी स्थिति में भगवान शिव ने ब्रह्माजी से उस अग्नि को संवारने की प्रार्थना की, जिसके परिणाम स्वरूप क्रोधाग्नि को अन्तःआत्मा में लीन कर लिया। उस समय प्राणियों के जन्म-मरण की व्यवस्था के लिए मृत्यु को जन्म दिया। मृत्यु के द्वारा कार्य करने का आदेश मांगने पर उसे समय-समय पर प्राणियों के संहार का आदेश मिला। इससे मृत्यु चिन्तित होकर रो पड़ी, उसने अपने आंसू दोनों हाथों में ले लिये। आगे चलकर वे आंसू ही रोग बने और जब प्राणियों की मृत्यु आती है तो वह रोग से आंसू बहाता हुआ मर जाता है।

मृत्यु तो एक दिन सब की होती है, क्योंकि 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः' के अनुसार जो पैदा होता है, उसकी मृत्यु निश्चित है, किन्तु मृत्यु असमय में न हो, इसके लिए ऋषि-मुनियों ने सिद्धि प्राप्त कर कुछ ऐसे उपाय ढूंढ़ निकाले हैं, जिसके द्वारा अकाल-मृत्यु को टाला जा सकता है। इन उपायों में श्रेष्ठ उपाय महामृत्युंजय साधना मानी गयी है।

भगवान शिव विष को पचाकर अमृत को प्रदान करने वाले हैं। उनके विविध रूपों में महामृत्यंजय रूप सर्वश्रेष्ठ एवं प्रभावकारी कहा गया है-

मृत्युंजय जपं नित्यं यः करोति दिने दिने।
तस्य रोगाः प्रणश्नन्ति दीघार्युश्च प्रजायते।।

अर्थात जो प्रतिदिन महामृत्युंजय का जप करता है, उसके सभी रोग नष्ट हो जाते हैं और वह साधक अकाल मृत्यु को हटाकर दीर्घायु प्राप्त करता है। इसीलिए रुद्रयामल ग्रंथ में कहा गया है-

मृत्युंजस्य मंत्रं वै जपते यदि मानुषः।
कोटि वर्ष शतं स्थित्वा लीनो भवति ब्रह्माणि।।

अर्थात जो मनुष्य महामृत्युंजय मंत्र का जप करता है, वह पूर्ण आयु प्राप्त करके अन्त में भगवान शिव में ही विलीन हो जाता है।

महामृत्युंजय मंत्र

ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।

श्रावण मास शिव साधना के लिए सर्वोत्तम मास है। इसलिए श्रावण में देवाधिदेव महादेव महामृत्युंजय की साधना तो मानव जाति को करनी ही चाहिए।

(साभारः निखिल मंत्र विज्ञान)

पौराणिक साक्ष्यों से जुड़ा है रक्षा-बंधन

श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाये जाने वाले त्यौहार रक्षा बंधन तो हम हर साल मनाते आ रहे हैं, लेकिन भाई की कलाई पर राखी बांधने का सिलसिला बेहद प्राचीन है। रक्षाबंधन का इतिहास सिंधु घाटी की सभ्यता से ही नहीं, हमारे पौराणिक साक्ष्यों से भी जुड़ा हुआ है। जानकार बताते हैं कि असल में रक्षाबंधन की परंपरा ही उन बहनों ने डाली थी जो सगी नहीं थीं। भले ही उन बहनों ने अपने संरक्षण के लिए ही इस पर्व की शुरूआत क्यों न की हो, लेकिन उसी बदौलत आज भी इस त्योहार की मान्यता बरकरार है। रक्षाबंधन के संबंध में प्रचलित कथाएं इस प्रकार से हैं-

भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी : रक्षा-बंधन का पौराणिक जुड़ाव भगवान श्री कृष्ण और द्रौपदी के रिश्ते से है। कृष्ण भगवान ने दुष्ट राजा शिशुपाल को मारा था। युद्ध के दौरान कृष्ण के बाएं हाथ की अंगुली से खून बहता देख द्रौपदी बेहद दुखी हुईं और उन्होंने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीरकर कृष्ण की अंगुली में बांधा, जिससे उनका खून बहना बंद हो गया। तभी से कृष्ण ने द्रौपदी को अपनी बहन स्वीकार कर लिया था।

देवराज इन्द्र और शची की कथा : एक अन्य किंवदंती है कि एक समय, देवताओं का राजा इन्द्र, अपने शत्रु वृत्रासुर से हार गया। तब वह देवों के गुरु बृहस्पति के पास गया। उनकी सलाह से विजय-प्राप्ति के लिये इन्द्र की पत्नी देवी शची ने इन्द्र को राखी बांधी, जिसके बाद इन्द्र ने ऋषि दधीचि की अस्थियां प्राप्त कर वज्र नामक शस्त्र बनाया और वृत्रासुर को परास्त कर स्वर्ग का पुनः अपना आधिपत्य जमाया।

राजा बलि और माता लक्ष्मी : एक पौराणिक कथा के अनुसार ऐसा माना जाता है कि दैत्यों का राजा बलि भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। भगवान विष्णु इस राजा बलि से इतने प्रसन्न थे कि एक बार वे वैकुण्ठ धाम छोड़ कर राजा बलि के साम्राज्य की रक्षा के कार्य में लग गए और माता लक्ष्मी वैकुण्ठ धाम में अकेली रह गईं। भगवान विष्णु बहुत समय तक वापिस वैकुण्ठ धाम को नहीं लौटे, तब माता लक्ष्मी ने एक साधारण स्त्री का रूप धारण किया और राजा बलि के यहां पहुंच गयीं, जहां उन्होंने खुद को अपने पति से बिछुड़ी एक निराश्रित महिला बताया तथा वहीं आश्रय पा लिया। सावन मास की पूर्णमासी पर माता लक्ष्मी ने राजा बलि की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और राजा बलि से अपनी रक्षा का वचन लिया। तब बलि को माता लक्ष्मी को सब सच बता दिया और भगवान विष्णु से माता लक्ष्मी के साथ वैकुण्ठ धाम लौटने की प्रार्थना की। कहा जाता है कि इसके बाद से ही रक्षा बंधन के दिन राखी बंधवाने के लिए बहन को भाई द्वारा अपने घर आमंत्रित करने की प्रथा चल पड़ी।

राजा हुमायूं और रानी कर्णावती : कहा जाता है कि जब बहादुर शाह ने राजस्थान के चित्तौड़ प्रांत पर आक्रमण किया तो विधवा रानी कर्णावती ने पाया कि वह स्वयं को तथा अपने राज्य को बहादुर शाह से बचा पाने में सक्षम नहीं है। तब रानी कर्णावती ने हुमायूं को राखी भेजी और अपनी रक्षा की प्रार्थना की। हुमायूं ने कर्णावती की राखी को पूरा सम्मान दिया और राखी की लाज अवश्य रखने का प्रण लिया। इसे निभाने के लिए हुमायूं एक विशाल सेना साथ लेकर तुरंत चित्तौड़ के लिए निकल पड़ा, परंतु जब तक हुमायूं चित्तौड़ पहुंचा, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बहादुर शाह चित्तौड़ पर कब्जा कर चुका था। मार्च 1535 का वह दिन राजस्थान के इतिहास में हमेशा एक घाव के रूप में रिसता है कि उस दिन रानी कर्णावती ने बहुत सी महिलाओं सहित जौहर किया। तब राखी की लाज रखते हुए हुमायूं ने बहादुर शाह से युद्ध किया और विजय प्राप्त की। हुमायूं ने चित्तौड़ का राज रानी कर्णावती के पुत्र विक्रमजीत सिंह को सौंप दिया।

- प्रस्तुतिः शशि

चंद्रयान- 3 : ये है हमारा न्यू इंडिया

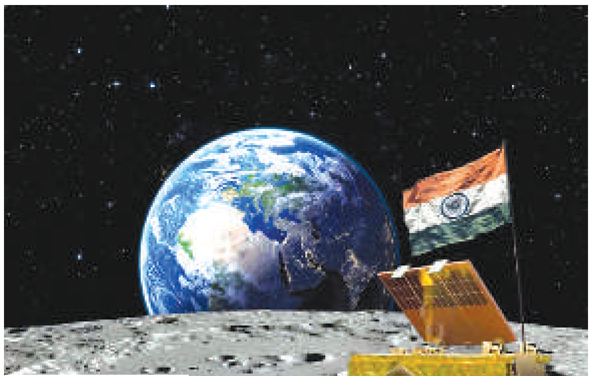

– सुरेन्द्र कुमार –

स्वतंत्र लेखक
मंडी (हिमाचल प्रदेश)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान ने चंद्रयान -3 को चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित उतारने मे ऐतिहासिक महारथ हासिल कर दी है। इसरो के मुताबिक मिशन मून की इस बार की उड़ान निर्विघ्न रही। बुधवार शाम 5:30 से 6:04 बजे तक सब कुछ आशा के अनुरूप रहा और लैंडर विक्रम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतर गया। इसके साथ ही देश मे दिवाली सा महौल बन गया। हमारे वैज्ञानिकों ने आज हमें वर्षों उपरांत उत्सव मनाने व मिठाई खाने का मौका दिया। आज हमने चांद पर लिख दिया, ये है न्यू इंडिया। चंद्रयान -3 की अंतरिक्ष यात्रा इस बार आगाज से लेकर अंजाम तक गौरवमयी रही। फलस्वरूप हमारा यान 23 अगस्त 2023 की शाम को चंद्रमा पर एक निश्चित स्थल पर स्थापित हो सका। इस बहुमूल्य सफलता से 24 घंटे पूर्व ही इसरो ने देशवासियों को बता दिया था कि इस बार सब कुछ तय समय के अनुरूप ही चल रहा है तथा अंतरिक्ष यान की यात्रा उत्साहवर्धक चल रही है। ऐसे मे देश मे इस मिशन को सफल बनाने के लिए देशवासियों ने सुबह से ही मन्नते मांगने शुरू कर दी थी। इस बीच जब शाम को समाचार मिला कि भारत का मिशन मून कामयाबी के साथ चांद पर स्थापित हो चुका है तो देशवासियों का जोश सातवें आसमां पर पहुँच गया। जो लाजमी भी था।

इस तरह भारत चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है तथा चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना है। एक आम भारतीय के रूप मे इस कामयाबी को शब्दों मे बयां करना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि दक्षिणी ध्रुव पर आज तक कोई भी देश अपना अंतरिक्ष यान नहीं उतार पाया है, बल्कि किसी ने इस छोर पर यान उतारने की सोच तक नहीं पाली है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के ज्यादातर क्षेत्र मे करोड़ों वर्षों से सूर्य की एक भी किरण तक नहीं पहुंच सकीं है। परिणामस्वरूप यह बहुत ही ठंडा क्षेत्र माना जाता है। यहां कभी- कभी तापमान माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है इसलिए चंद्रमा की इस दिशा पर अंतरिक्ष यान उतारना बेहद कठिन था। ऐसे मे यहां अपने मिशन चंद्रयान -3 को उतारना और भी जटिल प्रतीत हो रहा था। इसरो के वैज्ञानिकों ने इस मिशन को चुनौती के रूप में लिया तथा चंद्रयान -2 में मिली विफलता से कड़ा सबक लेकर इस बार यान के रंग रूप मे अनेक बदलाव करके उसे चार सालों के अंदर तैयार कर डाला।

वैज्ञानिकों ने इस बार लैंडिंग साइट के आकार से लेकर यान की गति तक को नियंत्रित करने के लिए कुछ विशेष किया। इस बार चंद्रयान -3 के एलवीएम -3 रॉकेट की लंबाई 43.5 मीटर तथा वजन लगभग 640 टन तक रखा था, जिसके कारण हमारा अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर सफलतापूर्वक स्थापित हो सका। इस बाहुबली कहलाए जाने वाले अंतरिक्ष यान ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बेशकीमती अध्याय जोड़ दिया है तथा देश के वैज्ञानिकों के हौसलों को एक नई गति प्रदान की है। यह उड़ान हर देशवासी की महत्वकांक्षा को नई उंचाई प्रदान करेगी। यह सफलता उन वैज्ञानिकों के हौसलों को भी नवीन ऊर्जा प्रदान करेगी, जो विगत चार वर्षों से इस मिशन मे जुटे थे तथा अब थकान सी महसूस कर रहे थे। देश का यह सबसे ताकतवर रॉकेट करीब 10 टन के पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षाओं तक जा सकता है और लगभग 04 टन के पेलोड उच्च कक्षा या जियो ट्रांसफर ऑर्बिट तक ले जाने मे सक्षम है। इस बार इस थ्री स्टेज रॉकेट में दो ठोस ईंधन बूस्टर और एक तरल ईंधन बूस्टर भी लगाया गया है, जिसने इसे कामयाबी की हर दिशा को चूमने में सफलता प्रदान की।

इस मिशन को अंजाम तक पहुंचाना मुश्किल इसलिए भी था, क्योंकि इस पर दुनियाभर के वैज्ञानिकों की नजरें टिकी हुई थीं। फलस्वरूप कामयाबी की इस नई इबादत लिखने मे भारत प्रत्येक कदम पर खरा उतरा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे मे हम यह भी कह सकते हैं कि वह अति दुर्गम उबड़-खाबड़ और विशाल गड्ढों से भरी भौगोलिक संरचना है। ऐसे मे यहां सॉफ्ट लैंडिंग कराना बेहद जटिल कार्य था। इसरो ने अपने दृढ़ संकल्प से सब कुछ सहज कर दिखाया। संस्थान इस मिशन के प्रथम दिन से ही प्रत्येक प्रणाली की नियमित जांच करता रहा और अधिकारियों व वैज्ञानिकों के हौसलों को प्रोत्साहित करता रहा, जिससे वैज्ञानिकों ने दोगुने जोश के साथ काम किया और मिशन कामयाब हुआ।

140 करोड़ देशवासियों की दुआओं तथा विभिन्न संगठनों व धर्मों के लोगों की पूजा-अर्चना ने भी वैज्ञानिकों के परिश्रम को बल प्रदान किया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों करोड़ों भारतीयों की मन्नतों ने मिशन मून के अवरोधों को हर लिया हो, क्योंकि जिस भी राष्ट्रीय और निजी एजेंसी ने चांद पर यान उतारें है उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिलीं है। चंद्रयान -3 के सफलतापूर्वक स्थापन से दुनिया को अनेक लाभ हासिल होंगे। अब हमें ज्ञात होगा कि क्या वहां मानव जीवन संभव है? वहां का तापमान, रासायनिक तत्व व खनिज पदार्थ, पानी, मिट्टी, प्राकृतिक संसाधनों, भूकंप की घटनाएं आदि की जानकारी सहजता से हासिल हो सकेगी। यह एतिहासिक पहल हमें तकनीकी नवाचारों और नए संसाधनों के उपयोग के लिए नएं व्यवसायिक मौके भी मुहैया कराएगी। उम्मीद है इस नवीन उपलब्धि से भारत के साथ साथ पूरी दुनिया को अनेकों प्रतिफल हासिल होंगे।

बीएसएल के स्लैग से बनेगा सीमेंट, कार्बन फुटप्रिंट का असर भी होगा कम

अल्ट्राटेक व एसीसी सीमेंट के साथ एकरारनामा

सेल SAIL
ED (WORKS), BOKARO

संवाददाता

बोकारो : सेल-बोकारो स्टील प्लांट और मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड तथा एसीसी सीमेंट लिमिटेड के बीच ब्लास्ट फर्नेस स्लैग की बिक्री के लिए एक दीर्घकालिक समझौते पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) कार्यालय में हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता 01.08.2023 से 31.07.2026 तक वैध रहेगा। बीएसएल के ब्लास्ट फर्नेस से हर माह लगभग 1.5 लाख मीट्रिक टन ग्रेनुलेटेड स्लैग का उत्पादन होता है। ये स्लैग सीमेंट उद्योगों के लिए कच्चा माल के रूप में प्रयोग किया जाता है। इन अपशिष्ट स्लैग के निपटान के लिए बी.एस.एल. और अल्ट्राटेक सीमेंट तथा ए.सी.सी. सीमेंट, सिंदरी के बीच एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

तीन साल तक 1296000 मीट्रिक टन स्लैग की होगी आपूर्ति

इस समझौता के तहत तीन वर्ष की अवधि के दौरान कुल 1296000 मीट्रिक टन स्लैग इन सीमेंट प्लांट को आपूर्ति की जाएगी। उपरोक्त अपशिष्ट स्लैग के उचित निपटान से एक ओर जहां सीमेंट उद्योगों को अधिक उत्पादन करने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर बोकारो स्टील प्लांट में इससे प्रदूषण और कार्बन फुट प्रिंट के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। समझौते पर बोकारो स्टील प्लांट की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) अनिल कुमार तथा अल्ट्राटेक की ओर से अमरेंद्र कुमार, हेड पाटलिपुत्र सीमेंट वर्क्स, पटना और एसीसी सीमेंट लिमिटेड के डीजीएम (प्रोक्योरमेंट) संजय लाखोटिया ने हस्ताक्षर किए। मौके पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा समझौता ज्ञापन को सीमेंट संयंत्रों के प्रतिनिधि को सौंपा गया।

अपना मिशन सफल है

दो हजार तेईस ईस्वी का,
तेईस अगस्त का दिन।
लिखा जा चुका स्वर्णाक्षरों में,
भारत का दिन।।

छह बजकर तीन मिनट पर,
इस दिन सायंकाल।
चमक उठा था भारत के,
जन जन का उन्नत भाल।।

'चन्द्रयान तीन' सफर कर,
पूरे दिन इकतालिस।
उतर चाँद पर भारत में,
कर दी खुशियों की बारिश।।

सही सलामत उतर चाँद पर,
सबको दिया पछाड़।
चाँद के दुर्गम दक्षिण ध्रुव पर,
दिया तिरंगा गाड़।।

हुआ गर्व से सीना चौड़ा,
बढ़ा मान सम्मान।
बढ़ गया पूरी दुनिया में है,
आज देश का नाम।।

ग़म था 'चंद्रयान -2 के,
सफल नहीं होने का।
पर उसमें ही बीज छिपा था,
आज सफल होने का।।

चाँद से मिलने की आतुरता,
फिसल गया होगा पग।
गति नियंत्रित न कर पाया,
भटक गया होगा मग।।

वैज्ञानिकों ने अबकी बार,
इस पर ध्यान दिया था।
यान नियंत्रित गति रख पाए,
इसका ज्ञान दिया था।।

ज्ञान ध्यान कर, यान चाँद पर,
पहुँचा बन अभ्यागत।
'चंद्रयान-2 दो' संग चाँद के,
किया भव्य है स्वागत।।

अपने सभी रहस्यों को,
अब चाँद बता देगा।
क्या मानव का बसना संभव?
ये समझा देगा।।

चार साल का कठिन परिश्रम,
एक किया दिन-रात।
तब जाकर के मिली देश को,
यह अनुपम सौगात।।

पूर्ण समर्पण, साहस और,
लगन का ही प्रतिफल है।
कि चाँद के दुर्गम दक्षिणी ध्रुव का,
अपना मिशन सफल है।।

साहस से जो लड़ता है,
रण वही फतह कर पाता है।
अंगारों पर जो चलता है,
इतिहास वही रच पाता है।।

बढ़ते कदम न रुकने वाले,
अब मंगल पर पैर रखेंगे।
मंगल और चाँद पर अब,
धरती से जाकर सैर करेंगे।।

सूरज की भी बातें होंगी,
ये भी मन में आई है।
आज खुशी के इस मौके पर,
सबको बहुत बधाई है।।

– सुधीर कुमार झा,
कोलकाता।

पेज- एक का शेष

झारखंड में शह-मात...

अर्जित करने को लेकर पीई दर्ज करने का फैसला लिया गया था। जानकार बताते हैं कि अब एसीबी भाजपा शासन के सभी पांचों पूर्व मंत्रियों को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाएगी। उधर, राज्य सरकार की ओर से मैनहर्ट घोटाले में एसीबी को पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मिल सकती है। जबकि, जमीन घोटोला मामले में ईडी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तीसरी बार समन भेजने की तैयारी में है। इस प्रकार झारखंड में शह और मात के चल रहे खेल में सत्ता और विपक्ष अब एक-दूसरे के बिल्कुल आमने सामने हो गया है।

बाबूलाल पर चार एफआईआर

एक तरफ बाबूलाल मरांडी भाजपा को संथाल परगना में मजबूत करने के लिए 50 दिनों की संकल्प यात्रा पर हैं तो वहीं दूसरी ओर उनके खिलाफ झारखंड पुलिस ताबड़तोड़ एफआईआर कर रही है। अब तक उन पर सोरेन परिवार पर विवादित बयान देने के आधार पर चार एफआईआर दर्ज हो चुका है। हाल ही में झामुमो कार्यकर्ताओं ने रांची के कांके और देवघर के मधुपुर थाने में बाबूलाल मरांडी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इस घटना को भाजपा काफी गंभीरता से ले रही है और बयानों के जरिए पलटवार कर रही है

हजारों करोड़ के घोटालों...

द्वारा टोल नियमों का उल्लंघन, आयुष्मान भारत योजना में मृत लोगों को जीवित बताकर फर्जी भुगतान, अयोध्या डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वृद्ध, विकलांग और विधवा पेंशन योजनाओं का पैसा अन्य योजनाओं के प्रचार में खर्च कर दिए जाने और एचएएल पर विमान इंजन की डिजाइन प्रोडक्शन में हजारों करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। पत्रकार वार्ता के दौरान उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रामा राउत, मनोज कुमार, जवाहरलाल महथा, कमल कुमार पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

Postal Reg. No.- DNB- 072/2021-23
बोकारो रविवार 27.08.2023
News & E-paper : www.varnanlive.com

प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों का बढ़ाया हौसला, देशवासियों को दी बधाई, कहा-

चंद्रयान- 3 नए भारत की नई उड़ान

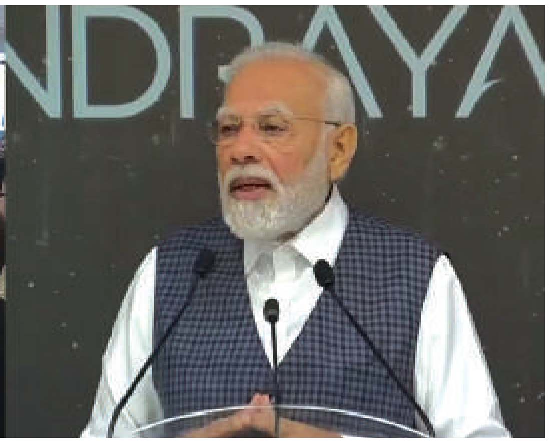

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : 23 अगस्त की शाम भारत के लिए ऐतिहासिक गाथा रच गई। चांद पर जैसे ही सूरज उगा, इसरो के चंद्रयान ने उसके साउथ पोल पर लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कामयाब लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा- यह क्षण भारत के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। अमृतकाल में अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान 3 की सफलता को असाधारण उपलब्धि बताया। उन्होंने ग्रीस से लौटने के तुरंत बाद सीधे बेंगलुरु पहुंचकर इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात की। उन्होंने यहां इसरो कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में चंद्रयान-3 मिशन में शामिल वैज्ञानिकों को संबोधित किया। इस दौरान वह भावुक भी हो गए।

उन्होंने कहा, मैं सुबह-सुबह यहां आ गया, मुझे पता है आपको दिक्कत हुई होगी, लेकिन मैं आपको परेशान करना नहीं चाहता था, बस आपके दर्शन करने की बेसब्री थी। आप सभी को मैं सैल्यूट करता हूं। आपकी मेहनत, आपके धैर्य को सैल्यूट करता हूं। अपने संबोधन के दौरान भावुक होते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी के बीच आकर आज एक अलग ही खुशी महसूस कर रहा हूं। शायद ऐसी खुशी बहुत दुर्लभ अवसरों पर होती है, जब ऐसी घटनाएं घटती हैं तो बेसब्री हावी हो जाती हैं। इस बार मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। इतनी बेसब्री कि मैं साउथ अफ्रीका में था फिर ग्रीस का कार्यक्रम था, वहां चला गया- लेकिन मेरा मन पूरी तरह आपके साथ ही लगा हुआ था। मैं जल्द से जल्द आपके दर्शन करना चाहता था। आप सबको सैल्यूट करना चाहता था। पीएम मोदी इतना बोलते ही काफी भावुक हो गए।

टचडाउन पॉइंट को 'शिव शक्ति' नाम दिया

पीएम ने चांद पर चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम के टचडाउन पॉइंट को 'शिव शक्ति' नाम देते हुए पूरे चंद्रमा मिशन में महिला वैज्ञानिकों की भूमिका की सराहना की। पीएम ने कहा कि यह वह भारत है जो अंधेरे क्षेत्रों में भी जाता है और प्रकाश फैलाकर दुनिया को रोशन करता है। पीएम मोदी ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता पर दुनियाभर में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धि की जोरदार चर्चा है। हमारी महिला वैज्ञानिकों ने चंद्रयान 3 की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह मिशन आने वाली पीढ़ियों को मानवता के कल्याण के लिए विज्ञान का उपयोग करने के प्रति प्रेरित करेगा। पीएम ने इसरो की तारीफ करते हुए कहा कि हमारे वैज्ञानिकों ने लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग का परीक्षण करने के लिए इसरो फैसिलिटी में ही एक कृत्रिम चंद्रमा बनाया। पीएम मोदी ने कहा, 'लैंडर का सफल होना तय था, क्योंकि वहां (चंद्रमा पर) जाने से पहले उसने कई परीक्षण पास किए थे।'

'गवर्नेंस में स्पेस टेक्नोलॉजी' पर हो नेशनल हैकाथॉन

पीएम ने कहा - 'मैं चाहूंगा कि इसरो, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ मिलकर 'गवर्नेंस में स्पेस टेक्नोलॉजी' पर एक नेशनल हैकाथॉन का आयोजन करें। इस हैकॉथॉन में ज्यादा से ज्यादा युवा, ज्यादा से ज्यादा युवा शक्ति, ज्यादा से ज्यादा नौजवान, वो शामिल हों, जुड़ें। मुझे विश्वास है, ये नेशनल हैकॉथॉन, हमारी गवर्नेंस को और प्रभावी बनाएगा, देशवासियों को मॉर्डन सॉल्यूशंस देगा।'

अब 23 अगस्त नेशनल स्पेस डे

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि अब 23 अगस्त को हर साल नेशनल स्पेस डे मनाया जा जाएगा। उन्होंने कहा कि जब भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराया, उस दिन को अमर कर दिया, इसलिए अब यह नेशनल स्पेस डे के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इसरो वैज्ञानिकों से कहा आपकी वजह से हमने वह किया जो किसी ने नहीं किया, हम वहां पहुंचे, जहां पहले कभी कोई नहीं पहुंचा। यह वह भारत है जो नया सोचता है, नए तरीके से सोचता है। जो डार्कजोन में जाकर भी 21वीं सदी में दुनिया की बड़ी-बड़ी समस्याओं का समाधान करेगा।

परिश्रम, धैर्य और जज्बे को किया सैल्यूट

पीएम नरेन्द्र मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों से कहा कि सैल्यूट आपके परिश्रम को। सैल्यूट आपके धैर्य को, सैल्यूट आपकी लगन को, सैल्यूट आपकी जीवटता को, सैल्यूट आपके जज्बे को। आप देश को जिस ऊंचाई पर ले गए हैं यह कोई साधारण सफलता नहीं है। यह अनंत अंतरिक्ष में भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य का शंखनाद है। पीएम ने कहा कि मेरी आंखों के सामने 23 अगस्त का वह दिन, वह एक-एक सेकंड बार-बार घूम रहा है। जब टच डाउन कंफर्म हुआ तो जिस तरह यहां इसरो सेंटर में, पूरे देश में लोग उछल पड़े, वह दृश्य कौन भूल सकता है। कुछ स्मृतियां अमर हो जाती हैं। वह पल अमर हो गया। आज पूरी दुनिया हमारे वैज्ञानिकों और वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मान चुकी है। चंद्रयान महाअभियान सिर्फ भारत की नहीं बल्कि पूरी मानवता की सफलता है।

इसरो के वैज्ञानिक बन गए रोल मॉडल

इसरो के वैज्ञानिकों का हौसला बढाते हुए पीएम ने कहा कि देश की भावी पीढ़ी को आपका मार्गदर्शन बहुत आवश्यक है। आप जो इतने सारे महत्वपूर्ण अभियानों पर काम कर रहे हैं, वो आने वाली पीढ़ी ही आगे ले जाने वाली है। आप उन सभी के रोल मॉडल हैं। आपकी रिसर्च और आपकी वर्षों की तपस्या, मेहनत ने साबित किया है, कि आप जो ठान लेते हैं, वो आप करके दिखाते हैं। देश के लोगों का विश्वास आप पर है, और विश्वास कमाना छोटी बात नहीं होती है दोस्तों। आपने अपनी तपस्या से ये विश्वास कमाया है। देश के लोगों का आशीर्वाद आप पर है। इसी आशीर्वाद की ताकत से, देश के प्रति इसी समर्पण भाव से भारत साइन्स एंड टेक्नॉलॉजी में ग्लोबल लीडर बनेगा। और मैं आपके बीच बड़े विश्वास के साथ बताता हूं। इनोवेशन की हमारी यही स्पिरिट ही 2047 में विकसित भारत के सपने को साकार करेगी। इसी विश्वास के साथ, मैं फिर एक बार आप सबके दर्शन करके पावन हुआ हूं। देशवासी गौरव से भरे हुए हैं। सपने बहुत तेजी से संकल्प बन रहे हैं और आपका परिश्रम उन संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा बन रहा है। आपको जितनी बधाई दूं कम है, जितना अभिनंदन करूं, कम है। मेरे तरफ से करोड़ों-करोड़ों देशवासियों की तरफ से, दुनियाभर की साइंटिफिक कम्युनिटी की तरफ से अनेक-अनेक धन्यवाद, बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

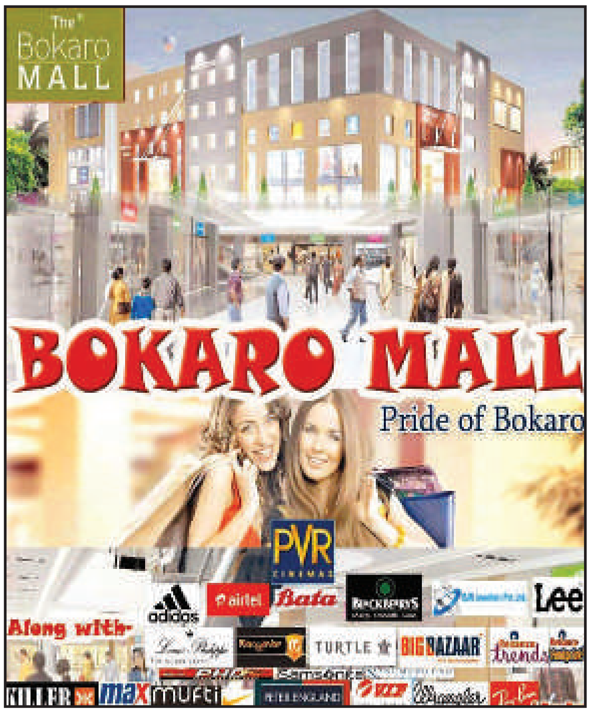

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)